

www.jagran.com

दैनिक जागरण कानपुर 14/12/2022

एक नजर में

‘मोटे अनाजों से बढ़ाएं रोग प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार विज्ञानी डा. विनोद प्रकाश ने मोटे अनाजों के सेवन को बढ़ावा देने के लिए सलाह दी है। उन्होंने बताया कि ज्वार, बाजरा, मक्का, जौ, रागी, महुआ व सांवा जैसे मोटे अनाज का भोजन की थाली में जरूर प्रयोग करना चाहिए, इससे कुपोषण की समस्या दूर होती है और भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं। वि.



कानपुर: मोटे अनाजों से बढ़ाएं रोग प्रतिरोधक क्षमता: डॉ विनोद प्रकाश

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने मोटे अनाजों की महत्ता पर एडवाइजरी जारी की है। डॉ प्रकाश ने बताया कि मोटा अनाज जैसे ज्वार,

बाजरा, मक्का, जौ, रागी, महुआ एवं सांवा का फसलोत्पादन कर अपने भोजन की थाली में प्रयोग करें तो कुपोषण को दूर किया जा सकता है। उन्होंने इन अनाजों से विभिन्न व्यंजनों को तैयार करने की विधियां पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि कुपोषण निवारण हेतु हमें अपने घर के पास की जमीन



पर पोषण गृहवाटिका बनानी चाहिए। जिसमें समस्त प्रकार की सब्जियों की पौधे, बीज एवं फलदार पौधे लगाए। जिससे वर्ष भर

सब्जी एवं फल प्राप्त होती रहें। उन्होंने कहा कि जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशक ही प्रयोग करें तो आप स्वस्थ रह सकते हैं।

राष्ट्रीय

सहारा

कानपुर • बुधवार • 14 दिसम्बर • 2022

मोटे अनाजों के सेवन से दूर किया जा सकता है कुपोषण

दूर (एसएनबी)। आम खानपान में उपेक्षित रहने वाले ज्वार, बाजरा, जौ, रागी, महुआ एवं सांवा जैसे मोटे अनाज कुपोषण को दूर करने में पूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन मोटे अनाजों के नियमित सेवन से शरीर का प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने से कुपोषण दूर होता है व शरीर का स्वस्थ रहता है।

गोपालाश्वरि एवं गौतमिनी त्रिवेदी के प्रयोगात्मक शोध के

एसए कृषि एवं प्राध्यागका विाव के दलापनगर कृषि विज्ञान केन्द्र के



ने दी कुपोषण के दृष्टिगत दी मोटे अनाजों के
की सलाह।

प्रसार वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश ने कुपोषण के दृष्टिगत मोटे अनाजों का उत्पादन कर उसे अपने भोजन की थाली में प्रयोग करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि इन अनाजों से विभिन्न व्यंजनों को तैयार कर भोजन में विविधता लायी जा सकती है।

कुपोषण निवारण हेतु घर के आसपास की जमीन पर पोषण गृह वाटिका के सुझाव भी दिये हैं। गृह वाटिका में सब्जियां, सब्जियों के बीज व पौधे लगाकर वर्ष भर सब्जी व फल प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने खाद व जैविक कीटनाशक का प्रयोग करने की बात भी कही है, जिससे निक खादोंदवाओं के दुष्प्रभाव से बचा जा सके।

मोटे अनाजों से बढ़ाएं रोग प्रतिरोधक क्षमता

□ गृह वाटिका में जैविक खाद व कीटनाशक का प्रयोग करें लोग



डॉ विनोद प्रकाश।

कानपुर, 13 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने मोटे अनाजों की महत्ता पर एडवाइजरी जारी की है। डॉ प्रकाश ने बताया कि मोटा अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, मक्का, जौ, रागी, महुआ एवं सांवा का फसलोत्पादन कर अपने भोजन की थाली में प्रयोग करें तो कुपोषण को दूर किया जा सकता है। उन्होंने इन अनाजों से विभिन्न व्यंजनों को तैयार करने की विधियां



पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि कुपोषण निवारण के लिए हमें अपने घर के पास की जमीन पर पोषण गृह वाटिका बनानी चाहिए। जिसमें समस्त प्रकार की सब्जियों की पौध, बीज एवं फलदार पौधे लगाए। जिससे वर्ष भर सब्जी एवं फल प्राप्त होती रहें। उन्होंने कहा कि जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशक ही प्रयोग करें तो आप स्वस्थ रह सकते हैं।

अमर उजाला कानपुर 14/12/2022

बेदम

सीएसए के मृदा विज्ञान विभाग की ओर से कराई गई मिट्टी की जांच में खुलासा

मुंबई और
की कारण

रासायनिक खादों से कानपुर की मिट्टी का दम निकला

खास
खबर



दिव्यांश सिंह

कानपुर। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध इस्तेमाल से मिट्टी की सेहत बिगड़ रही है। कानपुर मंडल के छह जिलों के 210 गांवों में हुई जांच में मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ बेहद कम पाए गए हैं। इससे न सिर्फ पैदावार प्रभावित होती है, बल्कि फसलों पर कीटों का हमला तेज हो जाता है। मिट्टी में कई तरह के कीटों के अंडे भी पाए गए हैं।

यह खुलासा चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के मृदा विज्ञान विभाग की जांच में हुआ है। 80 प्रतिशत गांव ऐसे मिले हैं, जहां की मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ, नाइट्रोजन,

0.8 फीसदी से अधिक होने चाहिए कार्बनिक पदार्थ

मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा 0.8 फीसदी से अधिक होनी चाहिए।

विश्वविद्यालय की ओर से आई रिपोर्ट में 30 फीसदी नमूने में इसका स्तर 0.2 फीसदी पाया गया। 50 फीसदी नमूनों में यह 0.4 फीसदी से कम रहा। इसके अलावा नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम भी कम मिला है।

फास्फोरस और पोटेशियम की कम मात्रा पाई गई है।

इस रिपोर्ट को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) को भेजा गया है। दरअसल, आईसीएआर के सहयोग से

इन गांवों की मिट्टी की हुई जांच

- कानपुर : बिल्हौर का अकबरपुर सेंग गांव, चौबेपुर का तरी पाठकपुर, शिवराजपुर का बसेन गांव।
- कानपुर देहात : मैथा ब्लॉक का सहतावनपुरवा, औरंगाबाद, मझियार, पांडेय निवादा गांव।
- कन्नौज : जलालाबाद ब्लॉक का पंचपुरखरा, डिगसरा, अनौगी, उमरदा ब्लॉक के हिम्मतपुर और मजरेठा गांव।

यहां के गांवों की मिट्टी जांची जाएगी : विवि के अंतर्गत लखीमपुर खीरी, रायबरेली, फतेहपुर, हरदोई, कौशांबी, हाथरस, अलीगढ़, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद समेत 28 जिले आते हैं। यहां की मिट्टी के नमूने भी जांचे जाएंगे।

सीएसए अपने क्षेत्र में आने वाले 28 जिलों की मिट्टी की जांच कर रहा है। पहले चरण में कानपुर मंडल के कानपुर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया में जांच की गई है। (संवाद)

जैविक तरीके अपनाकर बढ़ा सकते हैं कार्बनिक पदार्थ

- कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि किसानों को रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती करनी चाहिए। गोबर, हरी खाद, सनई, ढेंचा, गेहूं का भूसा, धान के पुआल खेत की मिट्टी में मिलाकर जुताई करके कार्बनिक पदार्थ बढ़ा सकते हैं।

कार्बनिक पदार्थ फसल के लिए कैसे लाभदायक

- फसल की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, इससे रोग और कीट नहीं लगते।
- पौधों की ग्रोथ अच्छी होती है, पैदावार भी बढ़ती है।

मोटे अनाजों से बढ़ाएं रोग प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने मोटे अनाजों की महत्ता पर एडवाइजरी जारी की है डॉ प्रकाश ने बताया कि मोटा अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, मक्का, जौ, रागी, महुआ एवं सांवा का फसलोत्पादन कर अपने भोजन की थाली में प्रयोग करें तो कुपोषण को दूर किया जा सकता है । उन्होंने इन अनाजों से विभिन्न व्यंजनों को तैयार करने की विधियां पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने बताया कि कुपोषण निवारण हेतु हमें अपने घर के पास की जमीन पर पोषण गृहवाटिका बनानी चाहिए जिसमें समस्त प्रकार की सब्जियों की पौधे , बीज एवं फलदार पौधे लगाए जिससे वर्ष भर सब्जी एवं फल प्राप्त होती रहें ।